

Lali ki sun ke mein aai, Kirat Maiya de de badhai Lyrics in Hindi and English

Lali ki sun ke mein aai Kirat Maiya de de badhai Lyrics in Hindi

लाली की सुनके मैं आयी, कीरत मैया दे दे बधाई,
लाली की सुनके मैं आयी, कीरत मैया दे दे बधाई,

लहंगा भी लुंगी और, चुनरी भी लुंगी,
चोली की दे दे सिलाई, कीरत मैया दे दे बधाई,
लाली की सुनके मैं आयी, कीरत मैया दे दे बधाई,

कंगना भी लुंगी और, झुमका भी लुंगी,
नथनी की दे दे गढ़ाई, कीरत मैया दे दे बधाई,
लाली की सुनके मैं आयी, कीरत मैया दे दे बधाई,

लड्डू भी लुंगी और, पेड़ा भी लुंगी,
हा जी दे दे दूध मलाई, कीरत मैया दे दे बधाई,
लाली की सुनके मैं आयी, कीरत मैया दे दे बधाई,

दस बीस से काम न चलेगा, हो गयी बड़ी महंगाई
कीरत मैया दे दे बधाई
लाली की सुनके मैं आयी, कीरत मैया दे दे बधाई

Lali ki sun ke mein aai, Kirat Maiya de de badhai Lyrics in English

Laali ki sunke main aayi, Keerat Maiya de de badhai,
Laali ki sunke main aayi, Keerat Maiya de de badhai.

Lehnga bhi lungi aur, chunari bhi lungi,
Choli ki de de silai, Keerat Maiya de de badhai,
Laali ki sunke main aayi, Keerat Maiya de de badhai.

Kangana bhi lungi aur, jhumka bhi lungi,
Nathni ki de de gadhai, Keerat Maiya de de badhai,
Laali ki sunke main aayi, Keerat Maiya de de badhai.

Laddu bhi lungi aur, peda bhi lungi,
Ha ji de de doodh malai, Keerat Maiya de de badhai,
Laali ki sunke main aayi, Keerat Maiya de de badhai.

Das bees se kaam na chalega, ho gayi badi mehngaai,
Keerat Maiya de de badhai,
Laali ki sunke main aayi, Keerat Maiya de de badhai.

About Lali ki sun ke mein aai, Kirat Maiya de de badhai Bhajan in English

“Laali Ki Sunke Mein Aayi, Keerat Maiya De De Badhai” is a vibrant and joyful devotional bhajan that expresses the devotion and excitement of a devotee coming to seek blessings from **Keerat Maiya** (a form of the Divine Mother). The bhajan emphasizes the offerings and desires of the devotee, who wishes to receive gifts and blessings as part of their devotion, and celebrates the love for the Divine Mother in a lighthearted, festive way.

- **Celebration of the Divine Mother’s Blessings:** The central theme of the bhajan revolves around the devotee expressing their excitement and gratitude for the blessings they are receiving from **Keerat Maiya**. The repeated phrase “Keerat Maiya de de badhai” (Keerat Maiya, give blessings) reflects the devotee’s heartfelt plea for the blessings and gifts they are asking for, along with a sense of joy and celebration.
- **Desires and Offerings to the Divine Mother:** The devotee lists several items they wish to receive, symbolizing their devotion and love for the Divine. “Lehnga bhi lungi aur, chunari bhi lungi” (I will

take the lehenga and the chunari) and “Kangana bhi lungi aur, jhumka bhi lungi” (I will take the bangle and the earring) reflect the physical and spiritual gifts that the devotee is seeking from the Divine, which could be seen as offerings or symbols of divine blessings.

- **Spiritual and Material Fulfillment:** The bhajan also expresses a desire for spiritual and material fulfillment. “Laddu bhi lungi aur, peda bhi lungi” (I will take the laddoo and peda) are sweet treats often associated with devotion and offerings in Indian culture, symbolizing the joy and sweetness that comes with the blessings of the Divine. The phrase “Ha ji de de doodh malai” (Please give milk and cream) reflects a request for richness and abundance in life.
- **The Increasing Costs of Life and the Need for Divine Support:** The bhajan also touches on the struggles of life, particularly the increasing cost of living. “Das bees se kaam na chalega, ho gayi badi mehngaai” (The price has increased, ten or twenty is not enough) shows the devotee’s acknowledgment of worldly challenges and their reliance on divine blessings to navigate through them.
- **A Playful Yet Reverent Tone:** The bhajan has a playful and cheerful tone, expressing devotion through the longing for gifts and blessings from **Keerat Maiya**, while also maintaining a sense of reverence and respect. The devotee’s enthusiastic desire for divine gifts is balanced with the humility of seeking blessings for a fulfilling life.

Overall, “**Laali Ki Sunke Mein Aayi, Keerat Maiya De De Badhai**” is a joyful, celebratory bhajan that reflects the devotee’s deep love and devotion for **Keerat Maiya**. It emphasizes the dual aspects of spiritual and material blessings, with a lighthearted tone while maintaining reverence for the Divine. The bhajan encourages devotion, humility, and a sincere request for blessings, illustrating the relationship between the devotee and the Divine Mother in a festive and loving manner.

About Lali ki sun ke mein aai, Kirat Maiya de de badhai Bhajan in Hindi

“लाली की सुनके मैं आई, कीरत मैया दे दे बधाई” भजन के बारे में

“लाली की सुनके मैं आई, कीरत मैया दे दे बधाई” एक प्रसन्नता और भक्ति से भरा भजन है जो कीरत मैया (देवी माँ का एक रूप) के प्रति श्रद्धा और समर्पण को दर्शाता है। यह भजन भक्त के आनंद, प्रेम और भगवान से आशीर्वाद प्राप्त करने की इच्छा को व्यक्त करता है। इसमें भक्त अपनी इच्छाओं, आशीर्वाद की मांग और देवी माँ के साथ अपने रिश्ते को हर्षोल्लास के साथ प्रस्तुत करते हैं।

- **कीरत मैया से आशीर्वाद की प्राप्ति :** इस भजन का मुख्य विषय है कीरत मैया से आशीर्वाद प्राप्त करना। “कीरत मैया दे दे बधाई” (कीरत मैया, कृपया आशीर्वाद दें) पंक्ति में भक्त माँ से कृपा और आशीर्वाद की प्रार्थना करता है, जिससे उनका जीवन खुशहाल और समृद्ध हो सके। यह भजन भक्त के समर्पण और श्रद्धा को व्यक्त करता है।
- **भक्त की इच्छाएं और भेंट :** भजन में भक्त द्वारा माँ से कई तरह की भेंटों की इच्छा व्यक्त की गई है। “लहंगा भी लुंगी और, चुनरी भी लुंगी” और “कंगना भी लुंगी और, झुमका भी लुंगी” पंक्तियों में भक्त ने अपनी चाहत और देवी माँ से प्राप्त करने की इच्छा को बखूबी व्यक्त किया है। यह दिखाता है कि भक्त अपने दिल से माँ से खुशियाँ और आशीर्वाद चाहते हैं।
- **सुख और समृद्धि की कामना :** भजन में देवी माँ से सिर्फ भौतिक चीजें ही नहीं, बल्कि जीवन में समृद्धि और खुशियाँ पाने की भी प्रार्थना की गई है। “लड्डू भी लुंगी और, पेड़ा भी लुंगी” और “हा जी दे दे दूध मलाई” जैसी पंक्तियाँ दर्शाती हैं कि भक्त अपने जीवन में सच्ची संतुष्टि, मिठास और सफलता की कामना करता है।
- **सामाजिक और भौतिक परेशानियाँ :** भजन में एक भक्ति भाव के साथ दुनिया की समस्याओं का भी उल्लेख किया गया है, जैसे “दस बीस से काम न चलेगा, हो गई बड़ी महंगाई” पंक्ति में यह दिखाया गया है कि दुनिया में बढ़ती महंगाई और संघर्षों के बावजूद, भक्त देवी माँ से राहत और आशीर्वाद की उम्मीद रखते हैं।
- **खुशियों और आशीर्वाद की लहर :** इस भजन का अंत भक्त की इच्छाओं को पूरा करने की माँ की कृपा और आशीर्वाद के साथ होता है। देवी माँ की आशीर्वाद से भक्त के जीवन में खुशियाँ, समृद्धि और संतुष्टि का अनुभव होता है।

कुल मिलाकर, “लाली की सुनके मैं आई, कीरत मैया दे दे बधाई” भजन एक सुखद और उत्साही भक्ति अनुभव को प्रस्तुत करता है। यह भजन भक्तों को देवी माँ के प्रति अपनी श्रद्धा और भक्ति व्यक्त करने के लिए प्रेरित करता है, साथ ही यह संदेश देता है कि भगवान की कृपा से सभी इच्छाएँ पूरी हो सकती हैं और जीवन में शांति और समृद्धि प्राप्त हो सकती है।